कालिंग एटैंशन चाहेंगे तो उसकी इजाजत दे दूंगा । फैसला, तो आने दें ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : कमिश्नर फार शैड्यूल्ड कास्ट्स एण्ड ट्राइब्ज की रिपोर्ट भी आप मगाए । मधुबनी मे जाए और वह देखे कि क्या हुआ है और सदन को रिपोर्ट दे । वह पार्लियामेंट के प्रति जिम्मेदार हैं ।

अध्यक्ष महोदय : रिपोर्ट मगवा लगा ।

13.18 hrs.

RE USE OF TEAR GAS ON DEMONSTRATORS IN DELHI

अध्यक्ष महोदय : अब दिल्ली मे जो डैमस्ट्रेशन हुआ और आसू गैस छोडी गई है वह कैसे पार्लियामेंट मे आ जाए

श्री भोगेन्द्र झा राजधानी (जयनगर) दिल्ली मे जलूस निकलेगा शान्तिपूर्ण और उस पर आसू गैस छोडी जाएगी और लाठिया चलाई जाएगी और यह यहा एलाउ नही होगा तो कहा होगा ?

श्री ज्योतिर्मय बसु डायमण्ड हार्बर जंगल राज है ।

श्री भोगेन्द्र झा शान्तिपूर्ण प्रदर्शना पर ऐसा होगा तो शान्ति नही रहेगी । कृपा करके आप मौका दे और इसको एलाउ करे । लोग चुप नही रहेगे । जो दिल्ली मे हुआ है वह सारे देश मे होगा । लोग शान्तिपूर्ण प्रदर्शन करेगे और उन पर आप आसू गैस चलाएंगे, लाठिया चलाएंगे तो यह नहीं चलेगा । आप कालिंग एटैंशन इसको एलाउ करे और सदन मे आने दें ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) दिल्ली मे असैम्बली नही है । कानून और व्यवस्था के लिए पार्लियामेंट जिम्मेदार है, केन्द्रीय सरकार उत्तरदायी है ।

अध्यक्ष महोदय डे टु डे एडमिनिस्ट्रेशन और मेंटेंस आफ आर्डर यह यहा कैसे आएगा ।

All I can do is to send your protest to the Home Minister and ask him to make a statement

SHRI PILOO MODY (Godhra) If the procedure is that the Minister should make a statement, then he should have *suo motu* come to make that statement and not after we have brought the matter to the notice of the House, after we have agitated so much on it

MR SPEAKER I suggest a *via media* What they say, I will send it to him I shall allow two or three members

SHRI PILOO MODY The Minister should have come out with a statement on his own and not after my friends have raised it After they have demanded every type of motion in existence, you say, 'I will ask the Minister to make a statement' It does not make any sense We must have a discussion first before the Minister can reply

MR SPEAKER I will allow two or three members

SHRI JYOTIRMOY BOSU I want to bring to the notice of the House the atrocities that are committed on Harijans particularly on women, almost every day It happened in Banda district, then in Monghyr district.

MR SPEAKER You had already made your point earlier.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: The Prime Minister is here. We want an assurance that the matter will be looked into at once. This is happening every day. We have to hang our heads in shame before the rest of the world.

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): My point of order is this. On the 27th when thousands of workers, including women, were demonstrating outside the Old Secretariat against high prices, black marketeers and hoarders under the banner of the Communist Party of India, they were cane-charged, lathi-charged and tear-gassed. It was only a demonstration against hoarders and black-marketeers. When the President of India said in Lucknow that hoarders and black-marketeers should be punished and put in chain, we thought that he said it seriously. Now this has happened in Delhi under the very nose of the Prime Minister and the Home Minister. If no statement is made by the Minister, then we should be allowed to move our Adjournment Motion to censure this Government. We want some action against hoarders and black-marketeers. If no action is taken against them, We would be constrained to believe that the Home Minister of this country, Shri Uma Shankar Dikshit, does not want to take any action against the hoarders and black-marketeers but wants to take action only against the political parties. I request you to alow us to discuss this matter.

श्री भोगेन्द्र झा : अध्यक्ष महोदय, हमने इस काम-रोको प्रस्ताव की सूचना इस लिए दी है कि देश में महंगाई बढ़ रही है और उसके लिए सरकार की नीति जिम्मेदार है। उसने मुनाफ़ाखोरों और चोर-व्यापारियों को खुली छूट दे रखी है। इस के विरोध में दिल्ली महिला संघ और कम्युनिस्ट पार्टी की युनियनों की ओर से एक शान्तिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। पुलिस ने शान्त प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और उन के विरुद्ध अश्रुगैस का प्रयोग किया। इस के परिणामस्वरूप श्रीमती विमला फ़ारूकी और श्रीमती सरला शर्मा, जिन्होंने चालीस साल से राष्ट्रीय सेवा में कार्य किया है, घायल हुई। किसी ने यह इल्ज़ाम नहीं लगाया है कि प्रदर्शनकारियों ने कोई हिंसात्मक कार्यवाही की। वह प्रदर्शन बिल्कुल शान्तिपूर्ण था। आपको पता है कि 1 अगस्त से राष्ट्रव्यापी पैमाने पर महंगाई, मुनाफ़ाखोरी और चोर-बाज़ारी के ख़िलाफ़ शान्तिपूर्ण अभियान होने जा रहा है। क्या दिल्ली में की गई यह कार्यवाही इस बात की बानगी है कि सारे देश में दमन का राज्य कायम किया जाये ? इस लिए आप से हमारा यह आग्रह है कि आप इस काम-रोको प्रस्ताव को मन्जूर करें और सरकार अपनी नीति को स्पष्ट करे कि क्या वह जनता के साथ है या चोर-बाज़ारियों और मुनाफ़ाखोरों के साथ है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनायें बड़े पैमाने पर न हों।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, हमें खुशी है कि हमारे कम्युनिस्ट मित्र भी अब सरकार से संघर्ष का रास्ता अपना रहे हैं। (व्यवधान) और उन का जो प्रेम-व्यवहार चल रहा था, अब वह समाप्ति पर आ गया है। दिल्ली की स्थिति बड़ी विचित्र है। दिल्ली का शासन कानून और व्यवस्था के लिए ज़िम्मेदार नहीं है। दिल्ली में जब प्रदर्शन होते हैं, तो पुलिस कानून और कायदे के बाहर जा कर उन का दमन करती है, वह लाठियों और अश्रुगैस का इस्तेमाल करती है और केन्द्रीय सरकार फिर भी कोई दखल नहीं देती है।

अध्यक्ष महोदय : यह ज़रूरी नहीं है कि वह हर बारे में दखल दें। (व्यवधान)

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Where should we go in such cases?

MR. SPEAKER: I will send it to the Minister.

Next item, Shri Raj Bahadur.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : दिल्ली के मामले को राज्य का मामला कह कर टाला नहीं जा सकता है। अगर शान्तिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठी-चार्ज किया जाता है, तो यह मामला पार्लियामेंट में नहीं उठेगा, तो कहां उठेगा ? मेरा निवेदन है कि आप गृह मंत्री को कहें कि वह इस बारे में बयान दें और आप उस को देख कर बहस के लिए समय निर्धारित करें ।

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusarai): With your permission under Rule 377, I want to draw the attention of the House and of the Government to the most unusual speech made by the President which raises great constitutional issues. I will seek your permission to Table a motion.

MR. SPEAKER: That is to come under Rule 377, not here....(*Interruptions*) I do not like President to be brought in into the proceedings like this.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: Don't you think that his speech raises great constitutional issues?. . (*Interruptions*)

SHRI S. M. BANERJEE: I congratulate the President when he said that the black-marketeers and hoarders should be chained....

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: That speech might be welcomed. I am not going into the substance of his speech. In fact, hoarders and black-marketeers should be put behind the prison bars. But the speech is of an unusual nature; the speech indicates the dis-satisfaction of the President with the state of affairs in the country. He said that in spite of the big majority secured by the ruling Party, it was not able to fulfil the promises it has made to the people ..(*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, यह एक बड़ा सांविधानिक मामला है। राष्ट्रपति के भाषण सरकार द्वारा लिखे जाते हैं। राष्ट्रपति जो कुछ कहते हैं, उस में वह अपनी व्यक्तिगत राय प्रकट नहीं करते हैं। जब वह सार्वजनिक रूप से बोलते हैं, तो सरकार की राय प्रकट करते हैं। लेकिन राष्ट्रपति ने कहा कि मैं राष्ट्रपति के नाते कह रहा हूं कि मुनाफाखोरों को पकड़ लो, उन को जंजीरों में बांध दो, यह बात उन्होंने अच्छी कही। लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सरकार की नीति है ? क्या यह बात उन के भाषण में सरकार ने लिखी थी ?

श्री श्यामनन्दन मिश्र : अध्यक्ष महोदय, प्रेसीडेंट साहब ने जो कहा उस के बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती हम लोग तो इस के बारे में बराबर आवाज उठाते हैं कि ब्लैक मार्केटियर्स और होर्डर्स के खिलाफ सख्त कदम उठाए जायें। हम तो कहेंगे कि करप्ट मिनिस्टर्स को भी बिहाइंड दि प्रिजन बार रखा जाय। हम तो यहां तक कह रहे हैं कि मिनिस्टर्स आज हाथों से नहीं बकेट्स से रुपये ले रहे हैं। उन के लिए भी प्रेसीडेंट इस तरह का आर्डर करें। .... (व्यवधान) ।

SHRI PILOO MODY: I have written to you.....

MR. SPEAKER: Such matters should not be raised here. Order please. This was raised earlier. I gave my ruling. I said, these are State matters. Why should such matters come to Parliament?

SHRI PILOO MODY: You will yourself realise, Sir....